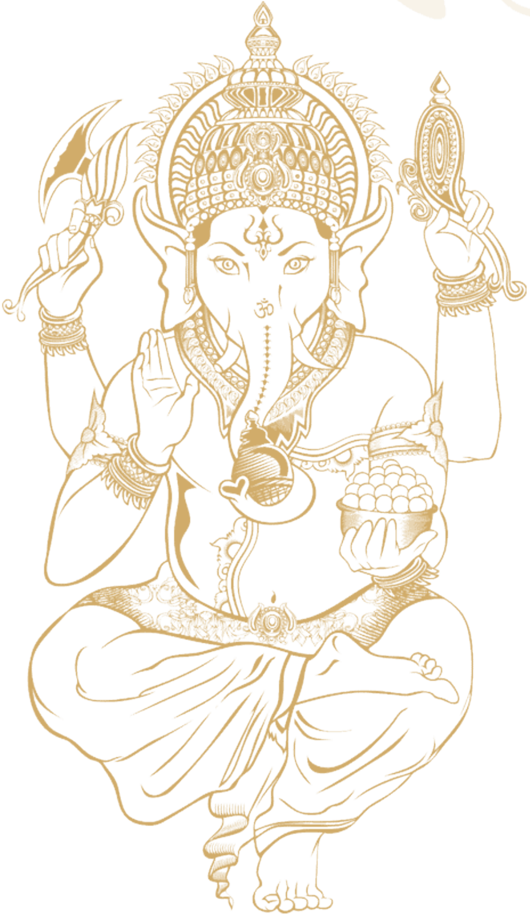

Rajnish Sharma

25 Apr 1959

01:19 AM

Hoshiarpur

Model: Varshphal-2017

Order No: 121896701

तिथि 25/04/1959 **समय** 01:19:00 **वार** शनिवार **स्थान** Hoshiarpur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:17:22
अक्षांश 31:30:00 उत्तर **रेखांश** 75:59:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:26:04 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	15:01:18 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:01:55 घं	योनि	मृग
सूर्योदय	05:49:11 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	19:00:05 घं	वर्ण	विप्र
चैत्रादि संवत	2016	वश्य	कीटक
शक संवत	1881	वर्ग	सर्प
मास	वैशाख	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	जल
तिथि	2	जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
नक्षत्र	अनुराधा	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-ताम्र
योग	व्यतिपात	होरा	बुध
करण	गर	चौघड़िया	चर

विंशोत्तरी
शनि 18वर्ष 9मा 26दि
सूर्य
19/02/2022
19/02/2028

सूर्य	08/06/2022
चन्द्र	08/12/2022
मंगल	15/04/2023
राहु	09/03/2024
गुरु	26/12/2024
शनि	08/12/2025
बुध	14/10/2026
केतु	19/02/2027
शुक्र	19/02/2028

योगिनी
भ्रामरी 3वर्ष 11मा 16दि
पिंगला
11/04/2026
10/04/2028

पिंगला	21/05/2026
धान्या	21/07/2026
भ्रामरी	10/10/2026
भद्रिका	20/01/2027
उल्का	22/05/2027
सिद्धा	11/10/2027
संकटा	21/03/2028
मंगला	10/04/2028

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			06:52:30	मक	उत्तराषाढ़ा	4	सूर्य	बुध	---	0:00			
सूर्य			10:35:25	मेष	अश्विनी	4	केतु	शनि	उच्च राशि	1.48	पुत्र	पितृ	विपत
चंद्र			03:27:26	वृश्चि	अनुराधा	1	शनि	शनि	नीच राशि	1.03	कलत्र	मातृ	जन्म
मंगल			14:53:08	मिथु	आर्द्रा	3	राहु	केतु	शत्रु राशि	1.46	अमात्य	भ्रातृ	मित्र
बुध			13:35:08	मीन	उ०भाद्रपद	4	शनि	राहु	नीच राशि	0.78	मातृ	ज्ञाति	जन्म
गुरु	व		06:41:12	वृश्चि	अनुराधा	2	शनि	बुध	मित्र राशि	0.92	ज्ञाति	धन	जन्म
शुक्र			18:25:34	वृष	रोहिणी	3	चंद्र	बुध	स्वराशि	1.67	आत्मा	कलत्र	साधक
शनि	व		13:43:14	धनु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	शुक्र	सम राशि	1.12	भ्रातृ	आयु	क्षेम
राहु	व		19:42:14	कन्या	हस्त	3	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण		---	ज्ञान	साधक
केतु	व		19:42:14	मीन	रेवती	1	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण		---	मोक्ष	सम्पत

लग्न-चलित

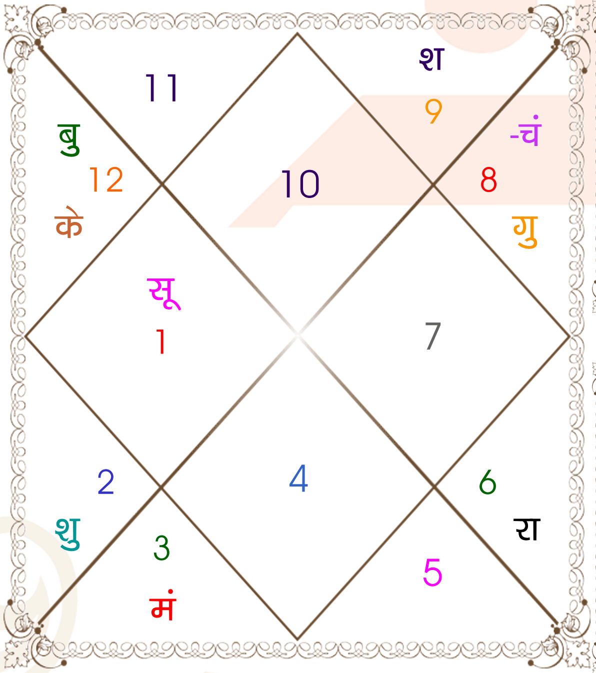

चन्द्र कुंडली

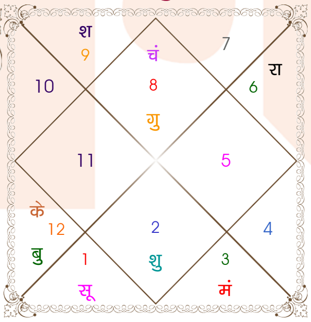

नवमांश कुंडली

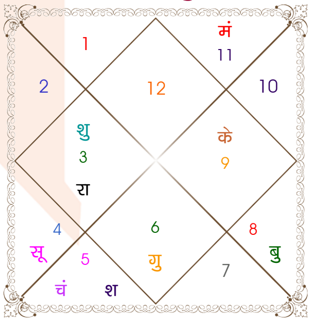

सर्वाष्टकवर्ग

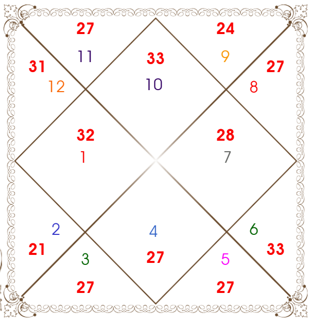

दशमांश कुंडली

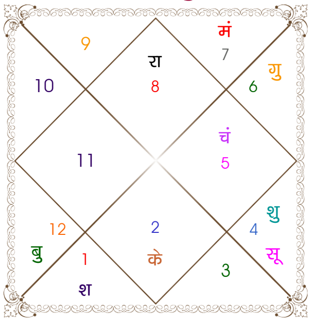

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय उत्तम रहेगी तथा परिवारिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इस वर्ष में शत्रु एवं विरोधी पक्ष का दमन करने में आप समर्थ हैं। जिससे आपकी- विपक्षी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की प्राप्ति की भी सम्भावना रहेगी। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं सभी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आप आशातीत उन्नति करेंगे तथा इच्छित लाभ की भी आपको प्राप्ति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी यदा कदा आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस समय मित्र एवं संबंधियों से आपके संबंध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे विशेष सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति एवं समृद्धि भी मध्यम रहेगी। इस समय स्त्री से आपके संबंधों में यदा कदा तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य सुख में मधुरता कम रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आप विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। शत्रु या विरोधी पक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा तथा आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु उनका सामना आप दृढ़ता से करेंगे तथा उनको पराजित करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की भी इस वर्ष में न्यूनता रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष परिश्रम एवं संघर्षपूर्ण रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम के द्वारा ही आप को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी पदोन्नति में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा अनावश्यक विलम्ब भी होगा। इस समय आपके अधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे फलतः उनसे विशेष सहयोग एवं लाभ नही मिलेगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें। इस समय यात्राओं से भी विशेष लाभ नहीं होगा तथा आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी। अतः परिश्रम पूर्वक अपने कार्यो को करने में तत्पर रहें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय मित्रवर्ग एवं संबधियों से आपको इच्छित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा आप भी उनकी भलाई के लिए कार्यो को करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक स्थिति इस वर्ष सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में भी आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग या राजनेताओं से आपके सम्पर्क बनेंगे तथा इनसे भी आप इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त करेंगे। व्यापार में भी आपकी प्रगति होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ मिलेगा। साथ ही व्यापार में विस्तार या कोई नया कार्य आरंभ करने में भी आप सफल रहेंगे।इस समय आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही सरकारी क्षेत्र में आपको कोई सम्मान प्राप्त हो सकता है। इस समय आपकी आशाएं सफल होंगी तथा विगत रुके हुए कार्य भी पूर्ण होंगे तथा वाहन सुख भी प्राप्त करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

प्रथम मास

25/04/2026 05:38:45 से 26/05/2026 06:22:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	06:22:14
सूर्य		मेष	अश्विनी	10:35:25
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	21:57:55
मंगल		मीन	रेवती	17:32:34
बुध		मीन	रेवती	21:04:54
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:53:25
शुक्र		वृष	कृतिका	06:47:30
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:14:00
राहु		कुम्भ	शतभिषा	13:07:13
केतु		सिंह	मघा	13:07:13
मुंथा		सिंह	मघा	06:52:30

मासाधिपति

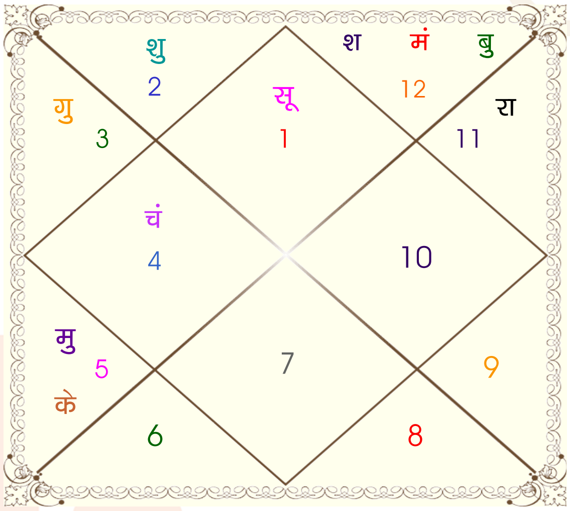

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपका प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त रहेगी तथा सभी महत्पूर्ण कार्य बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। साथ ही आपको पुत्र सुख तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसे मन से स्वीकार करेंगे। साथ ही आप अनेक प्रकार के शुभ कार्यों को सम्पन्न करेंगे एवं शुभ समाचार भी प्राप्त होंगे। देवता तथा ब्राहमण के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा आप विधिपूर्वक इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनकूल लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपको समाज में मान प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी एवं मानसिक चिन्ताएं भी दूर होंगी।

साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा पदोन्नति भी मिल सकती है। इस समय आप देश विदेश की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं।साथ ही अन्य प्रकार के सुखों को अर्जित करने में भी आप सफल रहंगे।

द्वितीय मास

26/05/2026 06:22:36 से 26/06/2026 15:09:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	24:33:12
सूर्य		वृष	रोहिणी	10:35:25
चन्द्र		कन्या	हस्त	11:09:47
मंगल		मेष	अश्विनी	11:05:48
बुध		वृष	मृगशिरा	23:52:43
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:44:12
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	14:06:16
शनि		मीन	रेवती	17:29:36
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:25:02
केतु	व	सिंह	मघा	10:25:02
मुंथा		सिंह	मघा	09:22:30

मासाधिपति

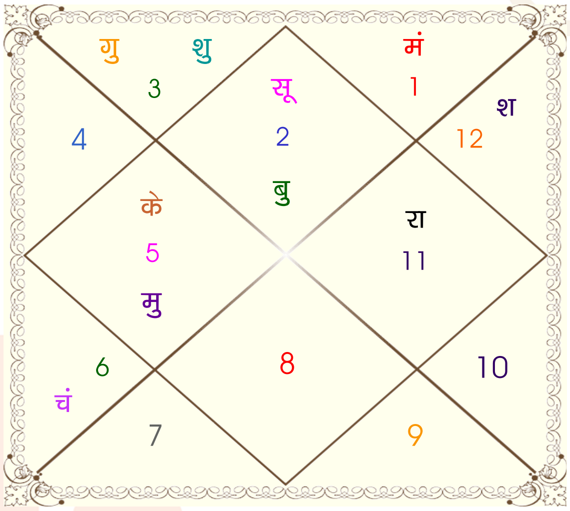

मासाधिपति : शनि

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिकत शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

26/06/2026 15:09:10 से 28/07/2026 01:51:53 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	14:25:07
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	10:35:25
चन्द्र		वृश्चिक	विशाखा	01:17:34
मंगल		वृष	कृतिका	04:02:55
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:36:06
गुरु		कर्क	पुष्य	04:57:13
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	20:43:44
शनि		मीन	रेवती	19:44:36
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:21:52
केतु	व	सिंह	मघा	07:21:52
मुंथा		सिंह	मघा	11:52:30

मासाधिपति

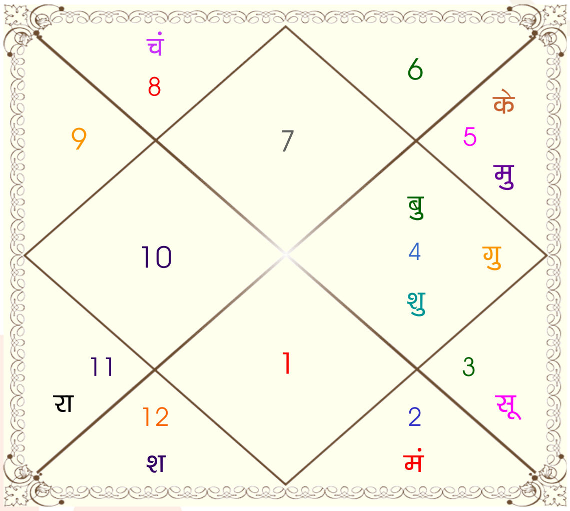

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रुके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
28/07/2026 01:51:53 से 28/08/2026 07:49:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	18:46:47
सूर्य		कर्क	पुष्य	10:35:25
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:00:05
मंगल		वृष	मृगशिरा	26:01:21
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	22:49:30
गुरु		कर्क	पुष्य	11:48:42
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:28:53
शनि	व	मीन	रेवती	20:31:06
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:42:42
केतु	व	सिंह	मघा	05:42:42
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:22:30

मासाधिपति

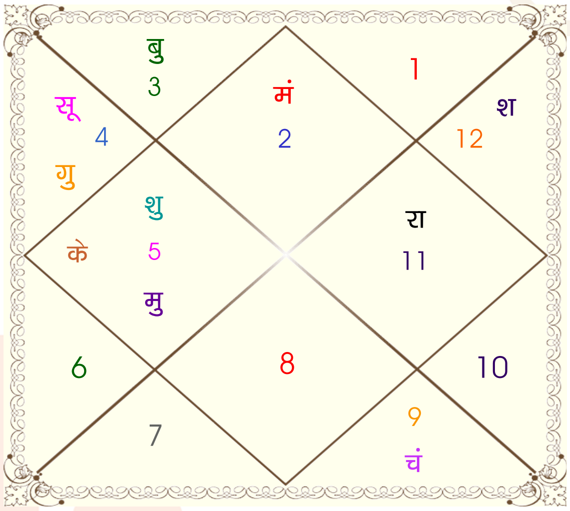

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से शुभाशुभ फल प्रदान करेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी एवं इसमें अशान्ति रहेगी।पारिवारिक जनों से भी आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा आपस में अनबन रहेगी। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय शिथिलता आएगी तथा स्थान परिवर्तन का योग भी बन सकता है। आप इस समय अपने किसी कार्य को छोड़ भी सकते है। सामाजिक जनों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद आदि भी होते रहेंगे फलतः आपके सम्मान में न्यूनता का भाव आएगा। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे।अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्न पूर्वक आप धार्मिक कार्य करने के लिए प्रवृत रहेंगे। साथ ही अन्य कई प्रकार के शुभ फल भी इस समय घटित हो सकेंगे।अतः मास शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

पंचम् मास

28/08/2026 07:49:33 से 28/09/2026 03:46:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:21:23
सूर्य		सिंह	मघा	10:35:25
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	09:37:06
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	16:40:31
बुध		सिंह	मघा	10:58:26
गुरु		कर्क	आश्लेषा	18:38:35
शुक्र		कन्या	चित्रा	25:43:58
शनि	व	मीन	रेवती	19:39:31
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:36:35
केतु	व	सिंह	मघा	05:36:35
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:52:30

मासाधिपति

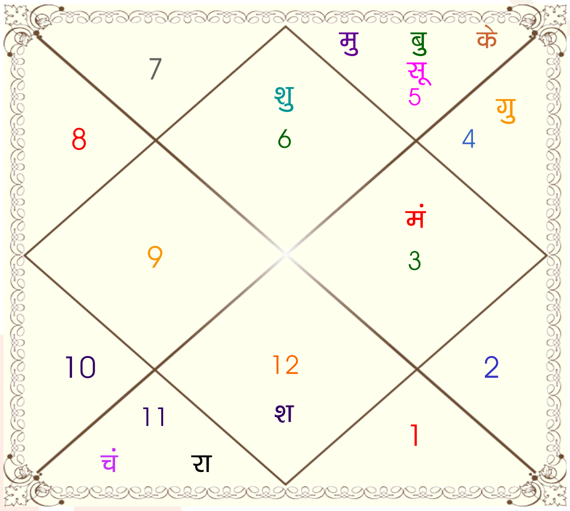

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त मध्यम रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों के साथ में रहेंगे अतः आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगे। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ तथा दुर्बल रहेंगे। इस मास में अत्यधिक परिश्रम के पश्चात भी आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि होती रहेगी तथा मित्रों एवं संबधियो से भी मधुर संबध नहीं रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः महिला सहयोगियों से आप लाभार्जन करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी फलतः उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। इसके साथ ही समाज एवं सामाजिक जनों से भी आप यश एवं सम्मान प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

षष्ठ मास
28/09/2026 03:46:23 से 28/10/2026 11:19:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	07:20:05
सूर्य		कन्या	हस्त	10:35:25
चन्द्र		मीन	रेवती	26:13:57
मंगल		कर्क	पुष्य	05:39:21
बुध		तुला	चित्रा	02:16:59
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:48:07
शुक्र		तुला	स्वाति	13:42:58
शनि	व	मीन	रेवती	17:35:07
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:11:41
केतु	व	सिंह	मघा	05:11:41
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:22:30

मासाधिपति

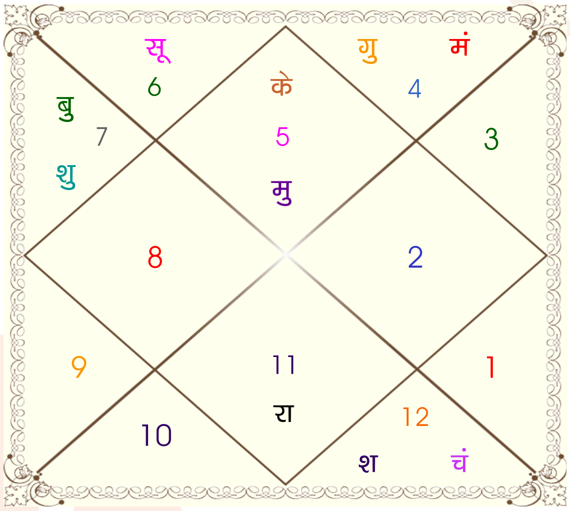

मासाधिपति : सूर्य

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे साथ ही आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप इस मास में धनार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके प्रतीक्षित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सुख भी अर्जित होगा। इस समय सासारिक कार्यो को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा आदर प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं संतति से पूर्ण रूप से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा एवं समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। अतः यह मास आपके लिए शुभ रहेगा।

सप्तम् मास

28/10/2026 11:19:48 से 27/11/2026 07:28:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	10:03:28
सूर्य		तुला	स्वाति	10:35:25
चन्द्र		वृष	कृतिका	08:42:39
मंगल		कर्क	आश्लेषा	22:28:24
बुध	व	तुला	विशाखा	25:38:15
गुरु		कर्क	आश्लेषा	29:37:00
शुक्र	व	तुला	चित्रा	04:03:09
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:17:47
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:03:27
केतु	व	सिंह	मघा	03:03:27
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:52:30

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

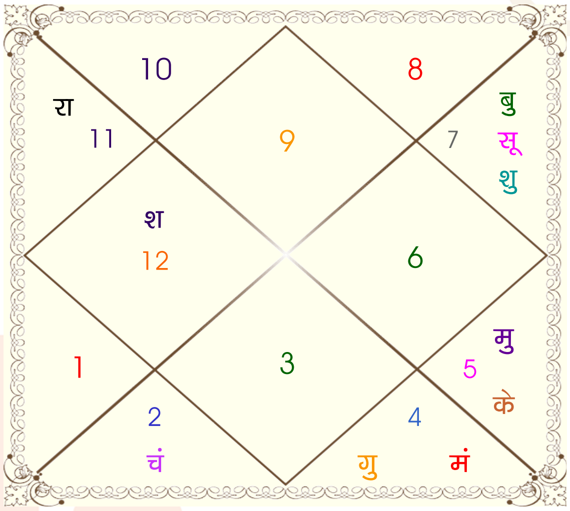

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
27/11/2026 07:28:41 से 26/12/2026 20:06:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	14:55:02
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	10:35:25
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	15:14:06
मंगल		सिंह	मघा	06:12:00
बुध		तुला	विशाखा	22:17:57
गुरु		सिंह	मघा	02:22:39
शुक्र		तुला	चित्रा	01:46:18
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:52:14
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	29:45:59
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	29:45:59
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:22:30

मासाधिपति

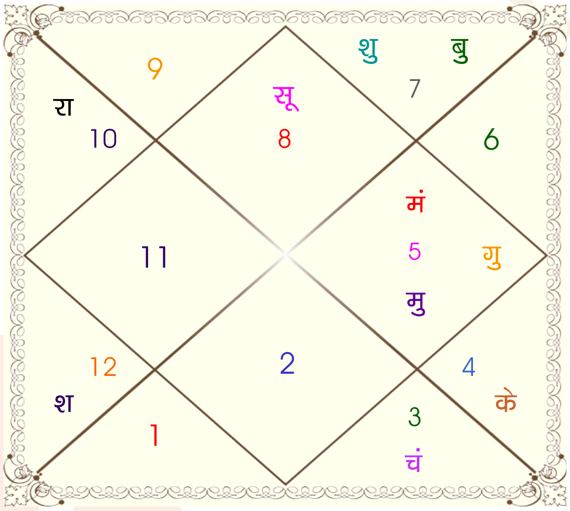

मासाधिपति : शनि

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्ता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में पूर्ण उन्नति होगी तथा समाज में आपको उचित सम्मान तथा आदर प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सम्मान तथा सहयोग अर्जित होगा तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। सन्तति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे मानसिक रूप से शान्ति तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप सरकार या अधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस समय आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों आदि की भी आपको इस समय प्राप्ति हो सकती है।अतः यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

नवम् मास

26/12/2026 20:06:31 से 25/01/2027 06:56:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	14:59:51
सूर्य		धनु	मूल	10:35:25
चन्द्र		कर्क	पुष्य	16:36:11
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:51:41
बुध		धनु	मूल	07:05:32
गुरु	व	सिंह	मघा	02:29:16
शुक्र		तुला	विशाखा	23:58:45
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:55:01
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	27:11:29
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	27:11:29
मुंथा		सिंह	उ०फाल्गुनी	26:52:30

मासाधिपति

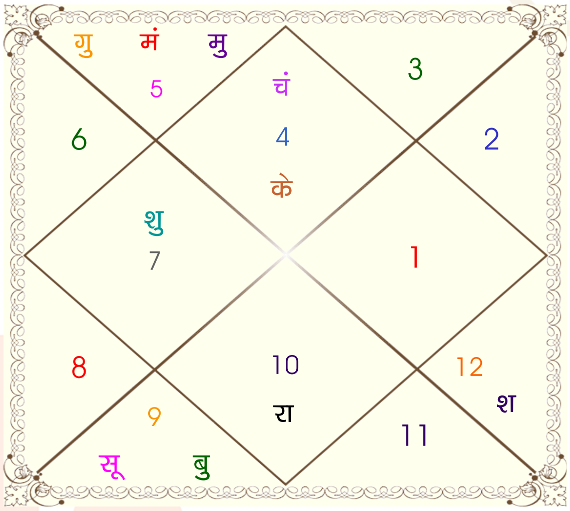

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रुचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास
25/01/2027 06:56:22 से 23/02/2027 22:07:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:55:44
सूर्य		मकर	श्रवण	10:35:25
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:53:58
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:48:43
बुध		मकर	धनिष्ठा	25:30:50
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	29:58:24
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:56:34
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:28:35
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:18:57
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:18:57
मुंथा		सिंह	उ०फाल्गुनी	29:22:30

मासाधिपति

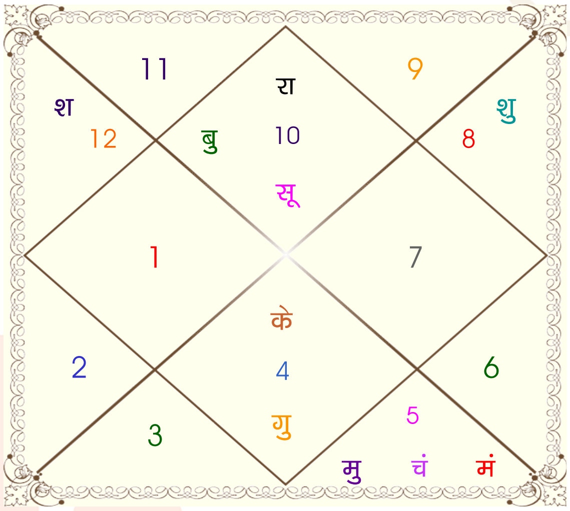

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शत्रुपक्ष प्रबल रहेगा फलतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में भी न्यूनता आएगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी कई प्रकार से व्यवधान आएंगे तथा उनमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी दूर समीप की भी कोई यात्रा हो सकती है। आपके सांसारिक कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन अधिक मात्रा में व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः इस मास को सावधानी तथा संयम पूर्वक व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतःआप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित कर सकेंगे। साथ ही अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रमपूर्वक सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त किसी नवीन द्रव्य या वस्त्र की भी प्राप्ति करने में भी आप सफल रहेंगे। इस प्रकार मध्यम रूप से आप अपने समय को इस मास में व्यतीत करेंगे।

एकादश मास

23/02/2027 22:07:19 से 25/03/2027 22:47:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	00:20:02
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	10:35:25
चन्द्र		कन्या	हस्त	16:45:08
मंगल	व	सिंह	मघा	04:55:52
बुध	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:14:30
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	26:09:12
शुक्र		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:09:24
शनि		मीन	रेवती	18:14:52
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:15:17
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:15:17
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:52:30

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

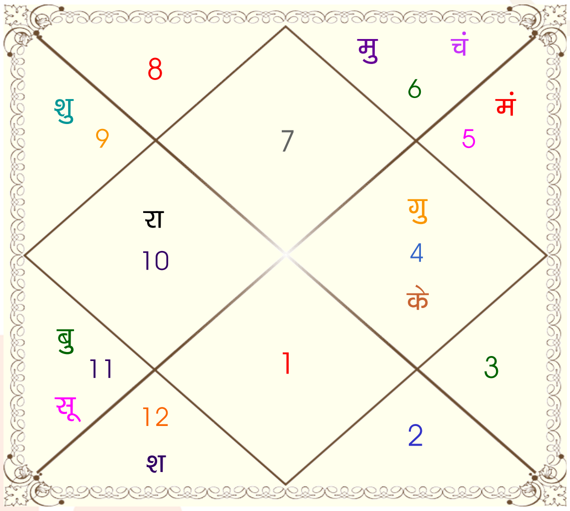

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप अशुभ फलों की ही प्राप्ति करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्टजनों की संगति आपको प्राप्त होगी जिससे आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक रूप से भी आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के उपरांत भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों की आप उपेक्षा करेंगे। इस मास में आप के अन्य प्रकार से भी हानि के योग बनते रहेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से विशेष संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग भी अल्प ही मिलेगा।साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय शत्रुपक्ष आपका बलवान रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप शीत या वात से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवमानना होगी एवं बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको क्षति हो सकती है। अतः सावधानी तथा धैर्यपूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

25/03/2027 22:47:13 से 25/04/2027 11:43:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	03:35:44
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	10:35:25
चन्द्र		तुला	विशाखा	21:41:34
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	26:58:52
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:24:42
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	23:17:10
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	05:00:28
शनि		मीन	रेवती	21:47:35
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	25:18:45
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	25:18:45
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:22:30

मासाधिपति

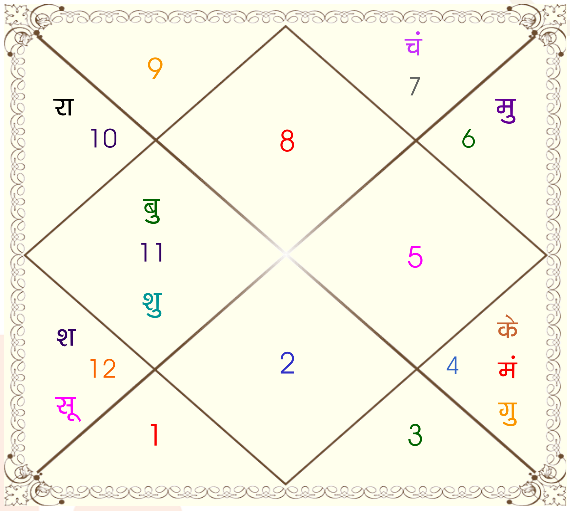

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय स्त्री पक्ष से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे इस मास में आप इच्छित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपको रुके कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ समय समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप ठंड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।